Gwalior Dhwani

Gwalior Diocesan News Bulletin

March 2022 Vol. 3/ Book 3

ASH WEDNESDAY ON 2ND MARCH

Gwalior Dhwani
Diocesan News Bulletin

Most Rev Bishop
Joseph Thykkattil
(Patron)

Editorial Board
Rev. Fr. Johnson B. Maria
Rev. Fr. C. Alphonse
Rev. Fr. Isaac Akash
Mrs. Roseline Sikarwar

Address
'Karuna' Bishop's House,
Jonagar, Kheriya Modi, Morar
Gwalior – 474006

gwaliordhwani@gmail.com

(For private Circulation only)

Celebrations March 2022

01. Fr. A. David (F)
06. Fr. V. Joyce (B)
14. Fr. Jose P OSB (B)
16. Fr. Martin Joseph (B)
17. Fr. A. David (0)
Fr. C. Jerome (0)
19. Bp. J. Thykkattil (F)
Bp. J. Kaithathara (F)
Fr. J. Palakudy (F)
Fr. Chipson (F)
Fr. Joseph James (F)
Fr. Joseph M.A (F)
Fr. J. Chakkalakal (F)
Fr. Joseph James (F)
22. Fr. Antony D. OSB (B)
25. Fr. Maria Francis (0)
Fr. Michael Anton (0)

***Holy Father's Universal Intention:* for Evangelization: For a Christian response to bioethical challenges**

WE PRAY FOR CHRISTIANS FACING NEW BIOETHICAL CHALLENGES; MAY THEY CONTINUE TO DEFEND THE DIGNITY OF ALL HUMAN LIFE WITH PRAYER AND ACTION.

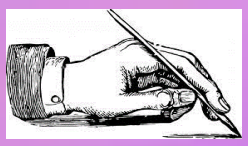

Editorial

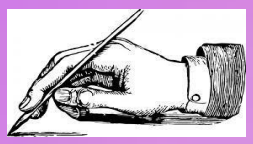

इस समय हम एक ऐसे संकटकाल से गुजर रहे हैं जो मानवता को गम्भीर रूप से घायल करने पर उतारू है। रूस और यूक्रेन के लोग ईश्वर से प्रार्थना में एकजुट हैं कि ईश्वर इस महाविनाश के संकट से दोनों देशों को निकाले और सारी दुनिया में अमन-चैन कायम हो सन्त पापा ने भी संसार भर की सारी कलिसीया से आह्वान किया है कि हम प्रार्थना में एक साथ जुट जायें और इस विनाशकारी युद्ध में पीड़ित लोगों से सहानुभूति जतायें। हम भले ही इस युद्ध को टालने के लिये प्रत्यक्ष रूप से कुछ नहीं कर पायें लेकिन प्रार्थना में उनके साथ बने रह सकते हैं। ईश्वर दोनों देशों के नेताओं को सद्बुद्धि प्रदान करे ताकि वे विनाश के रास्ते पर न चलकर प्रेम और शाँति के रास्ते पर चलें।

2 मार्च से हम तपस्या और पश्चाताप के समय में प्रवेश कर रहे हैं। राख बुधवार के साथ ही कृपा का यह समय आरम्भ हो जाता है। हालांकि अपने लोगों पर ईश्वर की कृपा सदा बनी रहती है, लेकिन पश्चाताप का यह समय विशेष कृपा का समय है, जब ईश्वर अपनी करूणा और क्षमाशीलता की सारी हदें तोड़ देते हैं। अगर कोई कृपा के इस शुभ काल का भी लाभ नहीं उठाये तो उससे अभागा और कोई नहीं होगा। चालीसा काल का यह समय कई तरह के आध्यात्मिक क्रिया-कलापों के लिये जाना जाता है। उपवास और परहेज इस काल के अभिन्न अंग हैं। इनके अलावा दया- दान के कार्यों, आध्यात्मिक सहभागिता, दरिद्र-सेवा, बीमारों से भेंट आदि के द्वारा भी इस पुण्य समय को सार्थक बनाया जा सकता है। आशा है कि आप लोग इस पुण्य अवसर का पूर्ण लाभ उठायेंगे।

इस बार हमारे धर्मप्रान्त में स्थित बालक येसु तीर्थस्थल के पर्व के अवसर पर सन्त पापा के प्रतिनिधि परम श्रद्धेय लियोपॉल्दो जिरेल्ली एवं भोपाल महाधर्मप्रान्त के पूर्व महाधर्माध्यक्ष परम श्रद्धेय लियो कोर्नेलियो की उपस्थिति हमारे लिऐ उत्साहप्रद रही। उनके उत्साहवर्धक शब्द हमारे लिये प्रेरणा स्रोत बनेंगे। यह बड़ी खुशी की बात है कि बालक येसु के प्रति भक्ति बड़ी तेज़ी से आस-पास के धर्मप्रान्तों में फैल रही है। ईश्वर करे कि डबरा स्थित यह तीर्थस्थल अधिक से अधिक लोगों के लिये आशिष और कृपा का माध्यम बन जाये। इसके लिये हमारे आध्यत्मिक सहयोग की भी ज़रूरत है। इन्हीं आशाओं और प्रार्थनाओं के साथ...

ग्वालियर ध्वनि की टीम की ओर से
फादर जॉनसन मरिया

Shepherd's Voice
LENT 2022

March 01, 2022

Dear Fathers, Sisters and Lay Faithful,
Jai Yeshu!

1. 2nd March is the Ash Wednesday, a day of Fast and Abstinence, we begin the Season of Lent from tomorrow. The Lenten Season is a time of Spiritual preparation for the celebration of Easter. We recall our Baptism and do penance in preparation for Easter. We are called to intensify our prayer life, repent for our sinfulness, and to do almsgiving and charity as tools of this spiritual preparation. Organizing Way of the Cross in the Parishes and at homes help us to recollect the suffering and death of Jesus. A genuine and conscious journey through this season of Lent will make us worthy to share the freedom, joy and life of the Resurrection of Jesus.
2. Solemnity of St. Joseph, Spouse of the Blessed Virgin Mary is on 19th March. He was an honest and responsible husband as well as a foster father who should be a model for all of us. He did this always obediently listening to the voice of God. One who pays attention to the prompting of the Holy spirit and live accordingly will help one to grow closer to Jesus and to our brothers and sisters. A very Happy Feast of St. Joseph to all of you. Specially to all who bear the name of St. Joseph and all institutions in the name of St. Joseph.
3. Like every year let us collect a good solidarity fund - Lenten collection against hunger and disease. All parishes, schools, Religious communities and every family contribute generously towards this collection.
4. Annual pilgrimage and feast of Infant Jesus Shrine at Dabra were manifestations of God's Blessings. It was miraculous that Our Honorable Chief Minister lifting all Corona restrictions just five days before the feast. A parish with forty members having 3500 pilgrims for the feast and Bhandara; the gracious presence of the Apostolic Nuncio Most Rev Dr Leopoldo Girelli, blessing of Martha Mariam, a facility for pilgrims and poor people; unveiling the foundation stone for Infant Jesus Shrine; Holy Mass presided by Most Rev Abp Leo Cornelio SVD, etc., were helped us to experience God's kindness to our lives.

   I congratulate Rev Fr. Dilip Nanda, the rector of the Shrine, Rev. Fr. Arokia Doss, Sisters of Handmaids of St. Vincent de Paul, Parishioners and well wishes of Infant Jesus Shrine for their hard work, planning and prayers and participating different Parishes of our diocese by sharing with them various responsibilities of the day's celebration.
5. We thank God and implore God's blessings on each and every person who contributed in various ways as we bless 'Karuna' the Bishop's House on 14th February.
6. The Diocesan Celebration of the Day of the Consecrated-on 16th February was a joyful experience. I thank and Congratulate the Members of the C R I, Gwalior unit and our fathers and brothers who made it a memorable day.
7. As we enter into the Holy Season of Lent, the members of Bishop's house campus made a pilgrimage to Basilica of our Lady of Graces, Sardhana on 26th and 27th February.

8. Happy to see the Synodal Journey progressing in different parishs. I request the Priests to complete the Parish level consultation and send your response to Fr. John D'Souza/ Fr.Arokia Doss.
9. Let us unceasingly pray for Peace in the World. Let world Nations make effors through dialoge and prayers to have peace and solidarity between Ukraine and Russia

Bishop's Engagement March, 2022

1st - Minor Seminary - Rector's Day

2nd - Ash Wednesday – Cathedral

4th - 14 Home Visit

16th - 20th Regional Y C S Program- Gwalior

19th - Solemnity of St. Joseph: Monthly Clergy Spiritual Recollection- Bishop's house

27th - Marriage Enrichment Programme for couples who married between 2015-2022.

THE CATHHOLIC DIOCESE OF GWALIOR
Diocesan Rules and Regulations

1. DAYS OF OBLIGATION
   All Sundays, Christmas and the Feast of the Assumption of our Lady.
2. LENTEN OBSERVANCES
   Days of Fasting and Abstinance
   Ash Wednesday – March 02, 2022
   Good Friday – April 15, 2022
   Fridays during the year: Fasting is encouraged and abstinance is recommended.
   Days of Penance
   Fach Friday of the each year, the entire Season of Lent.
   During the Season of Advent, Penance is recommended.
   Easter Duty
   The time fulfilling the Easter Duty begins from Ash Wedenesday and ends on Trinity Sunday

May you all receive God's blessings in abundance.

Love and Prayers.

+ Jose Mukkattil

पोप फ्राँसिस का चालीसा संदेश : अच्छाई के बीज बोयें

2022 के चालीसा काल के संदेश में संत पापा फ्राँसिस ने विश्वासियों को निमंत्रण दिया है कि वे अच्छाई के बीज बोयें ताकि हम अपने लिए एवं दूसरों के लिए मुक्ति के फसल लुन सकेंगे।

उषा मनोरमा तिरकी-वाटिकन सिटी

संत पापा फ्राँसिस ने 2022 के चालीसा काल के लिए अपने संदेश में गलातियों को लिखे संत पौलुस के पत्र पर चिंतन किया है। जिसमें वे गलातियों का आह्वान करते हुए कहते हैं, "हम भलाई करते-करते हिम्मत न हार बैठें; क्योंकि यदि हम दृढ़ बने रहेंगे तो समय आने पर अवश्य फसल लुनेंगे। इसलिए जब तक हमें अवसर मिल रहा है हम सबों की भलाई करते रहें, विशेष रूप से उन लोगों की, जो विश्वास के कारण हमारे संबंधी हैं।" (गला. 6:9-10)

ईश्वर के सहकर्मी

बोने एवं लुनने की छवि से शुरू करते हुए संत पापा ने कहा कि "चालीसा काल हमें मन-परिवर्तन, मानसिकता में बदलाव का आह्वान कर रहा है ताकि जीवन की सच्चाई एवं सुन्दरता को लेने में नहीं बल्कि देने में, संचय करने में नहीं बल्कि बोने एवं अच्छाइयों को बांटने में पाया जा सके।"

उन्होंने कहा कि ईश्वर सबसे पहले मानव परिवार में प्रचूर मात्रा में अच्छाई बोते हैं चालीसा काल में हम भी ईश्वर के उपहार को, उनके वचनों को सुनने के द्वारा ग्रहण करने के लिए बुलाये जाते हैं ताकि यह हमारे जीवन में फल ला सके। इस तरह हम ईश्वर के सहकर्मी बनते हैं, जो ईश्वर की असीम भलाई को बांटने की कृपा है।

फसल लुनना

जब हम अच्छाई एवं करुणा के बीज बोते हैं चाहे वह कितना ही छोटा क्यों न हो, हमारे जीवन में हम प्रकाश बनते तथा ख्रीस्त की खुशबू को दुनिया में फैलाते हैं। सुसमाचार की कहावत को याद करते हुए संत पापा ने कहा कि एक बोता है दूसरा लुनता है। उन्होंने कहा कि वास्तव में, फल जिसको हम बोते उसके सिर्फ छोटे अंश को देख पाते हैं (यो. 4:37) जब हम दूसरों की भलाई के लिए बोते हैं तब हम ईश्वर के परोपकारी प्रेम में सहभागी होते हैं। "दूसरों के लाभ के लिए अच्छाई बोना हमें संकीर्ण स्वार्थ से मुक्त करता है, हमारे कार्यों को उदारता से भर देता है, और हमें ईश्वर की परोपकारी योजना के शानदार क्षितिज का हिस्सा बनाता है।"

प्रार्थना, उपवास एवं दान

संत पापा ने चालीसा काल में प्रार्थना, उपवास एवं दान देने की परम्परा की याद दिलाते हुए कहा है कि "हम प्रार्थना करने से न थकें, इस बात पर गौर करते हुए कि हमें ईश्वर और पड़ोसियों की आवश्यकता है। हमारे जीवन से बुराई को उखाड़ फेंकने में हम शिथिल न हों। उपवास करें ताकि पाप के विरूद्ध संघर्ष करने में अपनी आत्मा को मजबूत कर सकेंगे, खासकर, पाप स्वीकार संस्कार एवं वासना के विरूद्ध संघर्ष करते हुए। आइये हम पड़ोसियों की उदारता पूर्वक मदद कर भलाई करने से हिम्मत न हारें, दूसरों को खुशी और उदारता से दें, खासकर, उन्हें जो बहुत अधिक जरूरत में हैं।

संत पापा फ्राँसिस ने कहा है कि प्रत्येक वर्ष चालीसा के दौरान "हमें याद दिलाया जाता है कि 'अच्छाई, प्रेम, न्याय और एकजुटता, एक बार और हमेशा के लिए प्राप्त नहीं की जाती है; उन्हें हर दिन अभ्यास किया जाना है।'"

भलाई करने से न थकें

संत पापा ने अपने संदेश के अंत में कहा है कि जमीन, उपवास से तैयार की जाती है, प्रार्थना से सिंचित होती और उदार कार्यों से समृद्ध की जाती है। उन्होंने सभी विश्वासियों पुनः निमंत्रण दिया है कि हम अच्छाई के कार्य करने से कभी न थकें। उन्होंने इस बात पर विश्वास करने का निमंत्रण दिया है कि 'यदि हम हार नहीं मानते हैं, तो हम नियत समय पर अपनी फसल काटेंगे, और दृढ़ता के उपहार के साथ, हम अपनी मुक्ति और दूसरों की मुक्ति की प्रतिज्ञा को प्राप्त करेंगे।"

The Apostolic Nuncio His Excellency Most Rev Dr LEOPOLDO Girelli on his pastoral visit to our diocese.

डबरा में बालक येसु का पर्व

आज 6/2/22 रविवार सुबह डबरा में बालक येसु तीर्थ स्थल पर पर्व मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अनुष्ठान दाता के रूप में भोपाल के सेवानिवृत्त आर्चबिशप लियोकार्नेलियो विशेष रूप से उपस्थित थे। उनके साथ परम श्रद्धेय महाधर्माध्यक्ष लियोपोल्डो जिरेली (अपोस्टोलिक नुनसियो), ग्वालियर धर्मप्रान्त के धर्माध्यक्ष श्रद्धेय जोसफ तैकट्टिल, सेवानिवृत्त बिशप जोसफ़ कायथाथरा और बड़ी संख्या में ग्वालियर एवं झाँसी धर्म प्रांत के पुरोहित उपस्थित थे। दतिया पल्ली की महिलाओं ने प्रवेश गीत पर नृत्य करते हुए सभी का स्वागत किया। फादर साइमन राज ने गायन मंडली में भक्ति गीत का संचालन किया। मिस्सा बलिदान के बाद नुनसियो लियोपोल्डो ने सभी को आशीर्वचन दिए और परमप्रसाद लेकर जुलूस में शामिल हुए। तत्पश्चात उन्होंने सिमरिया टेकरी में चर्च बनाने के लिए *शिलान्यास रखकर आशीष दी।* इसके बाद सभी के लिए भोजन की व्यवस्था कि गई थी। इस अवसर पर झांसी, सागर और ग्वालियर धर्मप्रान्त के पुरोहित, धर्मबहनें और ग्वालियर , झाँसी, आगरा एवं अन्यधर्म प्रांत के श्रद्धालु उपस्थित थे।

ONLINE ROSARY BY ICYM

Online Rosary on the eve of youth patron saint Gonsalo held on last 7th of Feb, at 6.00 pm to 7.30 pm. The message and blessing by our bishop. The speaker of the day was Ms. Jyostna D'Souza, National youth President.

ICYM Patron St. Gonsalo Gracia feast

ICYM Patron St. Gonsalo Gracia's feast celebrated in St. Paul's Church Morar by the Youth of Gwalior Diocese (Zonal) on 13/2/22. Mass offered by Rev.Fr Pius alongwith Rev. Fr. Martin Joseph the Parish Priest, St.Paul's Church morar Gwalior,Youth Director Rev.Fr. Lourde Nathan & Rev.Fr .Antony Swami.On this occasion Youth & parishnors felicitated Rev.Fr Lourde Nathan.

चर्च में मसीही एकता के लिए प्रार्थना

संत जॉन महा गिरजाघर में मसीही एकता के लिए प्रार्थना का आयोजन बुधवार की शाम किया गया। शाम 4:30 बजे विभिन्न गिरजाघरों के पास्टरस और फादर गण संत जॉन महा गिरजाघर में मसीही एकता के लिए प्रार्थना के लिए एकत्रित हुए। पल्ली पुरोहित फादर जोसेफ चिप्सन और सहायक पल्ली पुरोहित फादर पवन डेविड ने सभी का स्वागत किया इसके बाद पास्टर राहुल लूथर्न, फादर ए. जॉन और पास्टर बाबू थॉमस, पास्टर सैजू ने बाइबल पढ़कर मसीही एकता के महत्व पर प्रकाश डाला एवं सभी ने बारी बारी से देश की एकता, शांति, सद्भाव एवं अमन के लिए प्रभु यीशु मसीह से प्रार्थना की। इस अवसर पर गायक मंडली ने गीत गाए।

नए बिशप्स हाउस का उद्घाटन

14 फरवरी को नए बिशप्स हाउस का उद्घाटन किया गया, जिसमें धर्माध्यक्ष श्रध्देय जोसफ थईकाटिल एवं भूतपूर्व धर्माध्यक्ष श्रदेय जोसफ कायथाथरा के द्वारा बिशप्स हाउस को आशीष देकर मिस्सा बलिदान चढ़ाया जिसमें सभी पुरोहितों ने भाग लिया।

14 फरवरी को अतिश्रध्देय जोसफ थईकाटिल जी का जन्मदिन मनाया गया जिसमें धर्म प्रांत कि धर्म बहने एवं विश्वासियों की ओर से सभी पुरोहितों ने एक साथ आकर हमारे धर्माध्यक्ष जी को बधाई दी और उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की एवं धर्माध्यक्ष जी ने सभी का शुक्रिया अदा किया।

सेंट पॉल चर्च मुरार: 26 बच्चों को दिया परम प्रसाद एवं दृढ़ीकरण संस्कार

सेंट पॉल चर्च मुरार में रविवार को ग्वालियर धर्मप्रांत के धर्माध्यक्ष अतिश्रध्देय जोसफ थईकाटिल जी के द्वारा 26 बालक बालिकाओं को पवित्र परम प्रसाद एवं दृढीकरण संस्कार दिया गया। इस अवसर पर धर्माध्यक्ष ने पवित्र मिस्सा बलिदान अर्पित किया, जिसमें पल्ली पुरोहित फादर मार्टिन, सहायक पल्ली पुरोहित फादर पायस, फादर अल्फोंस, फादर एंथोनी स्वामी, फादर डेविड, फादर जोसेफ पालाकुंडी, फादर सेबेस्टियन, फादर आकाश, फादर हेमंत एवं भोपाल धर्मप्रांत के पुरोहित गणों ने भाग लिया। इस अवसर पर धर्माध्यक्ष का जन्मदिन भी मनाया गया।

लूर्द माता मिशन, करेरा

13 फरवरी को लूर्द माता मिशन, करेरा के पल्ली पुरोहित एवं पल्ली वासियों ने मिलकर बड़े हर्ष के साथ पर्व दिवस मनाया एवं धर्माध्यक्ष अतिश्रध्देय जोसफ थईकाटिल जी का अपनी पल्ली में स्वागत किया। इस अवसर पर स्वामी जी ने लोगों से मिलकर उनकी दिनचर्याओं के विषय में उनसे बात की एवं उनके साथ समय बिताया।

The day of Consecrated

On 16 February diocese observed the day of the consecrated at Bishop's house. In which all the priests and sisters of Gwalior diocese were present, the resource persons of the program were Rev Fr. Thomas OCD and Rev Fr. Antony OSB.

Medical camp for villagers near Mohna

Marriage Enriching Programme
for Couples who married between 2015 and 2022.

On Sunday27th March
09:00am to 04:00pm

at Vianny Bhavan,
Purani Chawani,
Gwalior

Resourse persons:

Mr. Santosh C &
Mrs. Sali Santosh
Santvana, Delhi.

Reg. Fee Rs.100/- Per person.

Parish priests are requested to promote young couples for this programme.

RSVP
Fr. Harshal
Director, Pastoral Center

Fr. A. Gilbert
Director,
Family Commission

Gwalior Diocese

Proclamation & Evangelization Commission

Going to conduct two days Lent Retreat for all the Parishes.

On Saturday and Sunday

1. March 05th and 6th St. Pius Mission Sheopur
2. March 12th and 13th Little Flower Mission, Badarwas.
3. March 26th and 27th Jeevan Jyoti Asharam, Shivpuri.

Please Note: I request to all the Parish Priest give the date for your Parishioners Retreat.

Fr. John D'souza
(Director)

Fr. Simon Raj
(Asst. Director)

Wednesday, 02nd March
Pray for World Peace

Along with Pope Francis
let us all Fast and Pray
on Wednesday March, 02nd

Specially
Praying for peace between Ukraine and Russia and safety and protection of people and properties.

DIOCESE OF GWALIOR

शहीद सन्त पेरपेतुआ
(पर्व दिवस 7 मार्च)

कलीसिया के प्रारम्भिक इतिहास में सन्त पेरपेतुआ ऐसी वीर नारी थी जो अख्रीस्तीयों के बीच अपने मुक्तिदाता प्रभुवर ख्रीस्त का साक्ष्य देने के लिए बड़ी बहादुरी के साथ घोर यातनाएँ झेलते हुए अपना जीवन अर्पित कर, शहीद बनी। पेरपेतुआ के जन्म तथा बचपन के विषय में कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। किन्तु उनकी शहादत के विषय में पूर्ण जानकारी उन्हीं के लिखे प्रलेख से प्राप्त है।

सन् 203 ई. के आस-पास उत्तरी आफ्रीका के कार्थेज नगर में पेरपेतुआ नामक कुलीन युवती बपतिस्मा पाने के लिए शिक्षा ग्रहण कर रही थी। उन्हीं दिनों वहाँ रोमी-सम्राट सेप्तिमुस सेवेरूस का शासन प्रारम्भ हुआ और उसने ख्रीस्तीयों पर अत्याचार करना नये सिरे से प्रारम्भ किया। उसका आदेश था कि जो कोई रोमी देवताओं की पूजा करने से इन्कार करे, उन्हें मृत्यु दण्ड दिया जाए। इस ख्रीस्त-विरोधी आदेशानुसार पेरपेतुआ और अन्य चार साथी पकड़े गये और कारावास में डाले गये। पेरपेतुआ 22 वर्षीय सुन्दर युवती थी जिसका विवाह किसी उच्च पदाधिकारी से हुआ था। उनका एक नन्हा बच्चा भी था। उसकी दासी फेलिसिती भी उनके साथ पकड़ी गयी थी।

पेरपेतुआ के माता-पिता जीवित थे और वह अपने पिता की लाडली पुत्री थी। पिता मूर्तिपूजक था किन्तु माँ ख्रीस्तीय थी। उसके दो भाई थे जिनमें से एक ख्रीस्तीय था और दूसरा दीक्षार्थी। पकड़े जाने के बाद वह और उसके साथी कैद में रखे गए। गयी और उन पर कड़ा पहरा था। यह समाचार पाकर उसका पिता उसके पास आया और रोते हुए उससे बोला- "बेटी, मेरे पके बालों पर तरस खा और मुझ बूढ़े पर दया कर। अपने पिता का अपमान न होने दे। अपनी माता तथा नन्हें बच्चे पर तरस खा। वह तो तुम्हारे बिना जी नहीं सकेगा।" यह कहते हुए वह अपनी प्यारी बेटी के हाथ चूम-चूम कर देर तक रोता रहा। अपने पिता का दुःख देखकर पेरपेतुआ भी बहुत रोयी। किन्तु अपने प्रियतम प्रभुवर खीस्त से शक्ति पा कर उसने अपने पिता को दिलासा देते हुए धैर्यपूर्वक कहा- "पिताजी, इस घोर संकट में ईश्वर की जो इच्छा है, वही होगी। हम अपने हाथों में नहीं, बल्कि ईश्वर के हाथों में हैं।"

आज जब कि हमारे देश में चारों ओर ख्रीस्तीयों को सतावट एवं अपमान तथा ख्रीस्त-विरोधी भावनाओं का सामना करना पड़ रहा है, संकट की इस घड़ी में सन्त पेरपेतुआ हमारा आदर्श एवं स्वर्ग में हमारी मध्यस्था है। हम उनसे सहायता की याचना करें। उनका पर्व 7 मार्च को मनाया जाता है।

CARITAS GWALIOR

IS A HUMBLE DIOCESAN EFFORT TO RAISE RESOURSES TOWARDS SOCIAL WELFARE ACTIVITIES

Even the poorest of the poor can be a part of this cause.

Remember the needy and contribute to CARITAS GWALIOR especially of the times of celebrations:

Marriage, Feast, First Holy Communion, Confirmation, Jubilee, Baptism, Success in Exams, Getting a Job, New House, Parish Feast, Pastoral Visitation etc.

February - 2022

1. M/s Magnus Softech Privet Limited - Rs – 25,000/-
2. Infant Jesus Shrine, Dabra, Feast - Rs – 5,000/-
3. St. Joseph's Convent Piproli,- B' day of Bishop Rs- 5,000/-
4. Carmel Convent, Lashkar - B' day of Bishop Rs- 5,000/-
5. C.R.I Gwalior, Day of the Consecrated Rs- 10,000/-
6. Engineer Devendre - B' day of Bishop Rs- 5,100/-
7. Missionary Sisters of St.Teresa, Indergarh Rs- 10,000/-
   Visit of Mother General
8. Mr.& Mrs. Cyril, Morar Rs- 3000/-

Send your valuable contributions

Account Name: Caritas Gwalior
A/C No.945420110000348
Bank: Bank of India Morar, Gwalior
IFSC: BKID0009454
MICR: 474013005

With sincere thanks,
Finance Administrator

Mass Reading: March 2022

Sunday	Monday	Tuesday	Wednesday	Thursday	Friday	Saturday
		1	2 ASH WEDNESDAY JOEL 2: 12-18 MT 6: 1-6	3 DEUT 30: 15-20 LK 9: 22- 25	4 IS 58: 1- 9 MT 9: 14- 15	5 IS 58: 9- 14 LK 5: 27- 32
6 1ST SUN OF LENT DEUT 26: 4- 10 ROM 10: 8- 13 LK 4: 1- 13	7 LEV 19: 1- 2 MT 25: 31-46	8 IS 55: 10-11 MT 6: 7- 15	9 JON 3: 1- 10 LK 11: 29- 32	10 EST 4: 17 MT 7: 7- 12	11 EZEK 18: 21- 28 MT 5: 20-26	12 DEUT 26: 16- 19 MT 5:43- 48
13 2ND SUN OF LENT GN 15: 5- 12, 17 PHIL 3: 17- 20 LK 9: 28- 36	14 DAN 9: 4- 10 LK 6: 36- 38	15 IS 1: 10. 16- 20 MT 23: 1- 12	16 JER 18: 18-20 MT 20: 17- 28	17 JER 17: 5- 10 LK 16: 19- 31	18 GEN 37: 3- 4 MT 21: 33- 35	19 ST. JOSEPH, SPOUSE OF BVM 2 SAM 7: 4- 5 ROM 4: 13- 16 LK 2: 41- 51
20 3RD SUN OF LENT EX 3: 1- 8 1 COR 10: 10- 12 LK 13: 1- 9	21 2 KGS 5: 1- 5 LK 4: 24- 30	22 DAN 3: 25- 43 MT 18: 21- 35	23 DEUT 4: 1- 5 MT 5: 17- 17	24 JER 7: 23- 28 LK 11: 14- 23	25 THE ANNUNCIATION OF HE LORD IS 7: 10- 14 HEB 10: 4- 10 LK 1: 26- 38	26 HOS 6: 1- 6 LK 18: 9- 14
27 4TH SUN OF LENT JOS 5: 9- 10 2 COR 5: 17- 21 LK 15: 1- 3, 5	28 IS 65: 17- 21 JN 4: 43- 54	29 EZEK 47: 1- 9 JN 5: 1- 16	30 IS 4: 8- 15 JN: 17- 30	31 EX 32: 7- 14 JN 5: 31- 47		